घटना

सिर पर मिले बाघ के दांतों के निशान, पोस्टमार्टम के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ से संघर्ष में नर तेंदुए की मौत

कान्हा, नवभारत। कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत किसली परिक्षेत्र में एक नर तेंदुए की मौत की घटना सामने आई है। घटना की जानकारी 19 फरवरी को वन विभाग को प्राप्त हुई। तेंदुए का शव किसली वन परिक्षेत्र के अंतर्गत बीट लांघादादर के कक्ष क्रमांक 632 (16) में जरियावारे पगडंडी के पास पाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही एनटीसीए और मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक भोपाल के दिशा-निर्देशों के अनुसार क्षेत्र को सुरक्षित किया गया। डॉग स्क्वाड की मदद से की गई छानबीन के दौरान मौके पर बाघ की उपस्थिति के पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत तेंदुए के सिर पर बाघ के दांतों के निशान पाए गए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तेंदुए की मौत बाघ के साथ हुए संघर्ष के कारण हुई है।

सभी अंग सुरक्षित, किया अंतिम संस्कार

तेंदुए का पोस्टमार्टम कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सक डॉ. संदीप अग्रवाल, बिछिया पशु चिकित्सक डॉ. दीपाली परते और मण्डला के पशु चिकित्सक डॉ. सुरेन्द्र टेकाम द्वारा किया गया। जांच के दौरान तेंदुए के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। निर्धारित नियमों के तहत क्षेत्र संचालक रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक प्रकाश कुमार वर्मा, सहायक संचालक सूरज सिंह सेन्द्राम और अन्य अधिकारियों व ग्रामीणों की उपस्थिति में मृत तेंदुए का अंतिम संस्कार (शवदाह) किया गया । इस पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई है।

सरकारी निर्माण कार्यों पर नाम चमकाने की होड़

लाइट टॉवरों पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के नाम देख भड़के ग्रामीण, चर्चाओं का बाजार गर्म

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज इन दिनों अपनी कार्यशैली से ज्यादा राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ को लेकर सवालों के घेरे में है। सरकारी खजाने से होने वाले जनहित के कार्यों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा अपना नाम लिखवाकर निजी श्रेय लेने का मामला तूल पकड़ रहा है।

जानकारी अनुसार नारायणगंज जनपद के अंतर्गत शासन द्वारा विभिन्न निर्माण कार्य और लाइट टावर लगाए जा रहे हैं। बताया गया कि नियमानुसार ये कार्य सार्वजनिक धन 15वें वित्त आयोग की राशि से स्वीकृत किए गए हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि टिकरिया, पटेहरा और नारायणगंज में लगे हाई-मास्ट लाइट टावरों पर अब जनपद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नाम बड़े-बड़े अक्षरों में छपने लगे हैं। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि यह जनता के पैसे का दुरुपयोग कर राजनीतिक रोटियां सेंकने जैसा है। सरकारी राशि से हुए कार्यों पर अपना नाम लिखवाकर वाहवाही बटोरना नैतिक रूप से गलत है। सोशल मीडिया और ग्रामीण अंचलों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि जब राशि शासन की है, तो श्रेय केवल चुनिंदा नेता क्यों ले रहे हैं।

गुणवत्ता पर उठे सवाल

नाम चमकाने की इस राजनीति के बीच ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि नेताओं को नाम लिखवाने से ज्यादा इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि ये निर्माण कितने समय तक टिक पाएंगे। फिलहाल जनपद की इस नेम प्लेट राजनीति ने प्रशासन की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब देखना यह होगा कि क्या वरिष्ठ अधिकारी इस मामले में हस्तक्षेप कर सरकारी संपत्तियों से राजनैतिक नामों को हटाने का निर्देश देते हैं।

नैनपुर से रामेश्वरम के लिए रवाना हुई भक्ति एक्सप्रेस

250 तीर्थयात्रियों के साथ गूंजा जय श्री राम का उद्घोष

नैनपुर। आस्था और उत्साह के संगम के बीच नैनपुर रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत विशेष ट्रेन को रामेश्वरम के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मण्डला जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए 250 बुजुर्ग तीर्थयात्रियों के चेहरे पर इस यात्रा को लेकर एक अलग ही चमक और खुशी दिखाई दी।

स्टेशन परिसर को किसी उत्सव की तरह सजाया गया था। यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं का जनप्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा पुष्पमालाएं पहनाकर और तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। नैनपुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, एसडीएम श्री आशुतोष ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। उपस्थित अतिथियों ने सभी यात्रियों के सुखद एवं मंगलमय सफर की कामना की। दक्षिण भारत के पवित्र धाम रामेश्वरम जा रहे इन श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक प्रबंध किए हैं। यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहे इस निःशुल्क अवसर ने समाज में सकारात्मक संदेश दिया है।

अपनों को विदा करने आए परिजन

स्टेशन पर केवल तीर्थयात्री ही नहीं, बल्कि उन्हें विदा करने आए उनके परिजनों की भी भारी भीड़ रही। ढोल-धमाकों और भजनों के बीच जब ट्रेन स्टेशन से रवाना हुई, तो माहौल काफी भावुक और भक्तिमय हो गया। बुजुर्गों ने हाथ हिलाकर प्रशासन और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

प्रशासनिक व्यवस्थाएं रहीं चाक-चौबंद

पूरे आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए नैनपुर प्रशासन और रेलवे विभाग ने सुरक्षा, स्वच्छता और यात्रियों की सहायता हेतु विशेष टीमें तैनात की थीं। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि मण्डला जिले के लिए सांस्कृतिक एकता और गौरव का अवसर भी साबित हुआ।

फेफड़ों की बीमारी से जूझ रही रितिका को एयरलिफ्ट कर भेजा चंडीगढ़

घुटास। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रदेश में शुरू की गई पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा जिले के लिए संजीवनी साबित हुई है। जिले के ग्राम घुटास की 16 वर्षीय रितिका यादव, जो फेफड़ों की गंभीर बीमारी (फाइब्रोसिस एवं पल्मनरी आर्टरीज हाइपरटेंशन) से जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही थीं, उन्हें बेहतर उपचार के लिए शुक्रवार को एयरलिफ्ट कर पीजीआई चंडीगढ़ भेजा गया। रितिका इस सेवा का लाभ लेने वाली जिले की पहली हितग्राही बनी हैं।

रितिका की गंभीर स्थिति को देखते हुए बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने मुख्यमंत्री से दूरभाष पर चर्चा कर हवाई एम्बुलेंस उपलब्ध कराने का विशेष अनुरोध किया था। विधायक की इस मानवीय पहल पर जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए न केवल एयर एम्बुलेंस की कागजी कार्रवाई पूरी कराई, बल्कि पीजीआई चंडीगढ़ के विशेषज्ञों से समन्वय स्थापित कर रितिका का निःशुल्क उपचार भी सुनिश्चित कराया।

पिता का साया नहीं, आयुष्मान बना ढाल

बताया गया कि रितिका के पिता का पूर्व में निधन हो चुका है और उनकी माता तरेसा यादव ही उनका एकमात्र सहारा हैं। आर्थिक रूप से कमजोर इस परिवार के लिए आयुष्मान भारत योजना वरदान साबित हुई। आयुष्मान कार्ड धारक होने के कारण रितिका को लाखों रुपए खर्च वाली एयर एम्बुलेंस सुविधा और चंडीगढ़ में होने वाला जटिल उपचार पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रशासन ने दी आर्थिक मदद

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में रितिका की माता को शासन की ओर से आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की गई है, ताकि यात्रा और उपचार के दौरान उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के इस समन्वित प्रयास की पूरे जिले में सराहना हो रही है।

कीर्ति नागपुरे को दी भावभीनी विदाई

अंजनिया। पुलिस चौकी अंजनिया में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले आरक्षक कीर्ति नागपुरे का स्थानांतरण बालाघाट हो गया है। स्थानांतरण आदेश के परिपालन में उन्हें चौकी स्टाफ द्वारा गरिमामय विदाई दी गई। कीर्ति नागपुरे पिछले 4 वर्ष 5 माह से अंजनिया चौकी में पदस्थ थे। अपने इस लंबे कार्यकाल के दौरान उन्होंने विभागीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया। मिलनसार स्वभाव और कार्य के प्रति समर्पण के कारण क्षेत्र के नागरिकों और विभागीय सहकर्मियों के बीच उनकी कार्यशैली की सदैव सराहना की जाती रही। स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद चौकी परिसर में एक सादा विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्टाफ ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर नई पदस्थापना स्थल के लिए शुभकामनाएं दीं। सहकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे बालाघाट जिले में भी इसी ऊर्जा और निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं देंगे। विदाई के क्षणों में सभी स्टाफ सदस्य भावुक नजर आए।

ककैया खदान विवाद : बाहुबल और अवैध ब्लास्टिंग से थर्राया बीजेगांव

ग्रामीणों के समर्थन में उतरी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, उग्र आंदोलन की चेतावनी

भुआ बिछिया। तहसील बिछिया के अंतर्गत ककैया डोलामाइट खदान में कवरेज करने गए पत्रकारों के साथ हुई अभद्रता और बंधक बनाए जाने की घटना ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। शुक्रवार को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने अपने समर्थकों के साथ प्रभावित क्षेत्र बीजेगांव का दौरा किया। उन्होंने स्कूल भवनों में आई दरारों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से संवाद कर घटना की कड़े शब्दों में निंदा की।

कमलेश तेकाम ने कहा कि पत्रकारों पर हमला करना लोकतंत्र का गला घोंटने के समान है। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी जिला जनसंपर्क अधिकारी और स्थानीय विधायक खामोश हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खदान संचालक को सत्ता और विपक्ष दोनों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण खनिज विभाग जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रहा है।

अवैध ब्लास्टिंग से सरकारी संपत्ति को नुकसान-निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मैसर्स विनोद कुमार अग्रवाल की खदान में हो रही हैवी ब्लास्टिंग के कारण बीजेगांव के शासकीय स्कूल और आंगनवाड़ी भवनों में बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि खदान माफिया के डर से वे अपनी आवाज नहीं उठा पा रहे हैं। चांदी के सिक्कों के दम पर पूरा प्रशासनिक अमला बिका हुआ नजर आ रहा है।

दोबारा कवरेज करने पहुंचे दल से फिर अभद्रता-हैरानी की बात यह है कि शुक्रवार को जब पत्रकारों का एक दूसरा दल वस्तुस्थिति जानने खदान स्थल पहुँचा, तो सुरक्षा की मांग के बावजूद उनके साथ फिर से अभद्रता की कोशिश की गई। सूत्रों का दावा है कि इस क्षेत्र में बंद पड़ी खदानों की रॉयल्टी का अवैध उपयोग किया जा रहा है और ओवरलोड वाहनों ने सरकारी सड़कों को पूरी तरह तबाह कर दिया है।

कलेक्टर की छवि धूमिल करने का प्रयास-चर्चा है कि जिले के कलेक्टर सोमेश मिश्रा की छवि को खनिज विभाग के कुछ अधिकारी अपनी मिलीभगत से धूमिल कर रहे हैं। हालांकि, बिछिया एसडीएम सोनाली देव ने मामले की जांच की बात कही है और खनिज विभाग का दल भी मौके पर पहुँचा था, लेकिन अब तक जांच के परिणाम सार्वजनिक नहीं हुए हैं।

आंदोलन की दी चेतावनी-गोंगापा अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने स्पष्ट किया है कि वे इस लड़ाई में पत्रकारों और ग्रामीणों के साथ हैं। यदि खदान संचालक पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और अवैध ब्लास्टिंग नहीं रुकी, तो जिला प्रशासन के विरुद्ध बड़ा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस घटना को लेकर अब पूरे प्रदेश के पत्रकार लामबंद हो रहे हैं।

नीरज मरकाम को मिली प्रदेश स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी

जमीनी नेता पर भाजपा ने जताया भरोसा

घुघरी। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक नियुक्तियों में जिले के कद्दावर आदिवासी नेता नीरज मरकाम पर बड़ा भरोसा जताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से अनुसूचित जनजाति (अजजा) मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम द्वारा जारी नवीन कार्यकारिणी में नीरज मरकाम को प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति की खबर मिलते ही नीरज मरकाम के निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें मिठाई खिलाकर और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश साहू, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धुर्वे, शंभू प्रसाद साहू, पंचलाल साहू, मुन्ना चक्रवर्ती, मीडिया प्रभारी दुर्गेश प्रजापति, संदीप पाठक और चमरा मरकाम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। घुघरी और सलवाह मंडल के पदाधिकारियों का कहना है कि एक जमीनी और समर्पित आदिवासी चेहरे को प्रदेश स्तर पर पहचान मिलने से आगामी समय में आदिवासी अंचलों में संगठन और अधिक मजबूत होगा। कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रसूति वार्ड में घूम रहे आवारा कुत्ते

सुरक्षा व्यवस्था की खुली पोल, जिम्मेदारों की लापरवाही उजागर, अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मामला

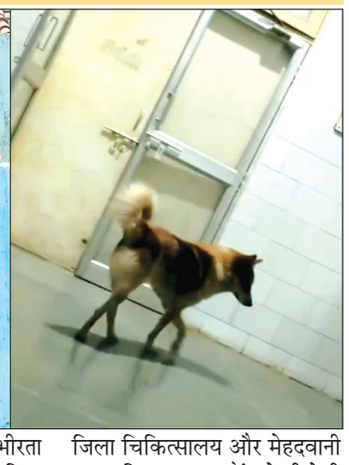

अमरपुर, नवभारत। जिले कि स्वास्थ्य व्यवस्थाएं भगवान भरोसे चल रही हैं जिनकी देखरेख करने वाले जिम्मेदार ही लापरवाही बरतते नजर आ रहे हैं, स्वास्थ्य केंद्र का आलम यह है कि सुरक्षित वार्डों में आवारा कुत्ते घुस रहे हैं जो अस्पताल में अपना इलाज करने पहुंचने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों सहित शिशुओं के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं लेकिन शायद स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को इस मामले से कोई सरोकार नहीं है।

इसका जीता-जागता उदाहरण तस्वीरों को देखकर देखने को मिल रहा है स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने एवं बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए एक ओर सरकार सुरक्षित प्रसव और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर करोड़ों रुपये खर्च करने का दावा करती है लेकिन स्वास्थ्य केंद्रों के हालात इन सबसे विपरीत नजर आं रहे है मामला जिले के अमरपुर जनपद मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से सामने आई तस्वीरें व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं। अमरपुर जनपद मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का है जहां बीती रात प्रसूति वार्ड में एक आवारा कुत्ता खुलेआम घूमता नजर आया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि कुत्ता नवजात शिशुओं के पलंगों के आसपास मंडराता दिखा जिससे संक्रमण और किसी अनहोनी का गंभीर खतरा पैदा हो गया।अस्पताल परिसर में न तो सुरक्षा के इंतज़ाम दिखाई दिए और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद रहा। परिजनों ने जब ड्यूटी स्टाफ को सूचना दी तो भी मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर प्रबंधन की बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। अंततः परिजनों ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जिसके बाद यह लापरवाही उजागर हुई। लोगों का कहना है कि जब प्रसूति वार्ड ही सुरक्षित नहीं है, तो आम मरीजों की सुरक्षा की क्या गारंटी दी जा सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले जिला चिकित्सालय और मेहदवानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से भी ऐसी ही तस्वीरें सामने आ चुकी हैं जिम्मेदारों के ऊपर कड़ी कार्रवाई न होने का ही परिणाम है जो अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देखने को मिला। अब सवाल यह है कि प्रशासन इस गंभीर चूक पर क्या कार्रवाई करता है,क्या जिम्मेदारों पर जवाबदेही तय होगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

दिया बांसुरी का ऑर्डर और लग गई ढाई लाख की चपत

रिटायर्ड शिक्षक हुआ साइबर ठगी का शिकार

नवभारत, उमरिया। जिले के नौरोजाबाद में एक रिटायर्ड शिक्षक के साथ ऑनलाइन ठगी का ऐसा मामला सामने आया है, जिसने एक बार फिर साइबर अपराधियों की चालाकी को उजागर कर दिया। संगीत के शौक में मंगाई गई बांसुरी उनके लिए भारी पड़ गई और कुछ ही मिनटों में खाते से ढाई लाख रुपये साफ हो गये।

पीड़ित राजाराम चौहान ने चेन्नई की एक कंपनी से चार बांसुरियां ऑनलाइन ऑर्डर की थीं। ऑर्डर के बाद उनके व्हाट्सएप पर एक रसीद और डीटीडीसी का ट्रैकिंग नंबर आया। शुरुआत में सब सामान्य लगा। कुछ दिनों बाद जब उन्होंने पार्सल की स्थिति जानने के लिए ट्रैकिंग लिंक खोला, तो उसमें एक मोबाइल नंबर दिखा। पार्सल की जानकारी लेने के लिए उन्होंने उस नंबर पर संपर्क किया।

ऐसे शुरू हुई ठगी की कहानी-फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को कूरियर से जुड़ा बताते हुए कहा कि पार्सल में मोबाइल नंबर गलत दर्ज है। उसे ठीक कराने के नाम पर उसने नया नंबर मांगा। बातों-बातों में आरोपी ने कहा कि नंबर अपडेट करने के लिए एक ऑनलाइन भुगतान करना होगा। उसने एक लिंक भेजा और उस पर कुछ अंक दर्ज करने को कहा। इसके बाद उसने बैंक खाता नंबर और एटीएम कार्ड की 16 अंकों की जानकारी मांगी। इतना ही नहीं, कार्ड के पीछे लिखा सीवीवी नंबर भी पूछ लिया। भरोसे में आए शिक्षक ने सारी जानकारी दे दी। आरोपी ने आश्वस्त किया कि अब पार्सल समय पर मिल जाएगा।

बैंक से एसएमएस आने के बाद चला पता-कुछ दिन बाद पार्सल सचमुच पोस्ट ऑफिस पहुंच गया और उन्होंने उसे प्राप्त भी कर लिया। लेकिन असली झटका तब लगा जब बैंक से फोन आया कि उनके खाते से ढाई लाख निकल चुके हैं और तुरंत एटीएम ब्लॉक कराया जाए।